के निर्यात में वृद्धि हुई है :—

बेल्जियम, आस्ट्रिया, फिनलैण्ड, आयरिश गणतन्त्र, नार्वे, तुर्की, ईरान, नेपाल, न्यूजीलैण्ड, फारमूसा, कोरिया (दक्षिण) इराक, जोर्डन, कूवैत, लेबनान, सऊदी अरब, सीरिया, मिश्र (सं० अ० ग०), घना, सूडान, टांगानिका, ट्यूनीशिया, यूगांडा जंजीबार, जम्बिया, कनाडा, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, ब्राजील, चिली, पेरू, मेक्सिको, डोमिनिकन गणराज्य, इक्योडोर, जमैका, जर्मन लोकतन्त्रात्मक गणराज्य, रूमानिया तथा सोवियत रूस ।

1964–65 तथा 1965–66 में इन देशों को किये गये निर्यात के तुलनात्मक आंकड़ों का एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है [पुस्तकालय में रख दिया गया एल० टी० वेखिये संख्या—1333/1967]

फ़तहपुर से चुरू तक रेल का किराया

7937 श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या रेलवे मंत्री 7 अप्रैल, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 769 के उत्तर के संबंध में यह बताने का कृपा करेंगे कि :

(क) फतहपुर से चरू तक की यात्रा के लिये दुगना किराया लिये जाने के बारे में की जा रहीं जांच क्या इस बीच पूरा हो चुका है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसमें और कितना समय लगने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री च० मु० पुनाचा) : (क) और (ख) : जांच हो रही है।

(ग) समीक्षा तीन-चार महीने में पूरी हो जायेगी।

मोतीहारी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे फाटक

7938. श्री विभूति मिश्र :
श्री क० ना० तिवारी :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे अधिकारियों ने उस सड़क को बन्द कर दिया है जो मोतीहारी रेलवे स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे) के पश्चिमी फाटक (गुमटी) तक जाती थी ;

(ख) क्या यह सच है कि अब केवल पूर्वी फाटक (गुमटी) ही खुला रहता है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि अब पूर्वी फाटक (गूमटी) पर अत्यधिक भीड़ रहती है क्योंकि रेलवे स्टेशन शहर के बिल्कुल बीच में है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि माल गाड़ियों और यात्री गाड़ियों के आने जाने के कारण वहां यात्रियों और यातायात को लम्बे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है ;

(ङ) क्या इसके परिणामस्वरूप लोगों की समय नष्ट नहीं होता है ; और

(च) लोगों के लिए किन सुविधाओं की व्यवस्था करने का सरकार का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री च० मु० पुनाचा) : (क) जी हां, रेलवे यार्ड का विस्तार होने के कारण मोतीहारी स्टेशन के पश्चिम में स्थित समपार नं० 161 को बन्द करना पड़ा था।

(ख) जी नहीं, मोतीहारी स्टेशन पर अभी भी दो समपार मौजूद हैं, पूर्वी सिरे पर समपार नं० 160 और पश्चिमी सिरे पर समपार नं० 162।